

(23) ट्रेड— एकाउन्टेसी एवं अंकेक्षण

कक्षा— 12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है :-

प्रथम प्रश्न-पत्र

(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र—I)

3—भारतीय बहीखाता पद्धति के सैद्धान्तिक अध्ययन और बहियों का प्रयोग। 20

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(बहीखाते तथा लेखाशास्त्र—II)

3—लागत के मुख्य तत्व— 20

1—सामग्री—क्रय तथा स्टोर स्रोतों का चयन, क्रय आदेश, स्टॉक का स्तर, सामग्री का निर्गमन सतत् सम्पत्ति सूची पत्र नियंत्रण।

2—श्रम—समय रखना, मजदूरी भुगतान हेतु विभिन्न समय निर्धारण पद्धतियां।

3—उपरिव्यय (Over Heads)—कारखाने का उपरिव्यय तथा विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय।

4—लागत, विवरण तथा निविदा तैयार करना।

तृतीय प्रश्न-पत्र

(व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन)

3—बीजक (देशी तथा विदेशी) तथा बिक्री विवरण तैयार करना। 20

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

(गणित तथा सांख्यिकी)

1—अनुप्रयोग। 20

2—अभिकरण 20

4—विचलन की मापों—मानक विचलन। 10

5—सूचनांक तथा इसका उपयोग। 10

पंचम प्रश्न-पत्र

(अंकेक्षण)

3—विशिष्ट अंकेक्षण—साझेदारी फर्म, एकांकी व्यापार एवं सहकारी समितियों का अंकेक्षण—शिक्षण संस्थायें। 20

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है—

प्रथम प्रश्न-पत्र

(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र—I)

अधिकतम—60 अंक

न्यूनतम—20 अंक

- 1—प्रेषण, संयुक्त साहस खाते, चालू हिसाब और औसत भुगतान विधि। 30
- 2—साझेदारी फर्म के खाते—प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु तथा साझेदारी समापन की दशा में। 30

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(बहीखाते तथा लेखाशास्त्र—II)

अधिकतम—60 अंक

न्यूनतम—20 अंक

- 1—कम्पनी खाते मिश्रण, संविलयन तथा पुनर्निर्माण को छोड़कर अंकों के निगमन तथा आहरण ऋण—पत्रों के निर्गम तथा शोध—भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार अन्तिम खाते तैयार करना। 30
- 2—लागत लेखांकन—परिभाषा, महत्व तथा पद्धतियाँ, उद्देश्य। 30

तृतीय प्रश्न-पत्र

(व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन)

अधिकतम—60 अंक

न्यूनतम—20 अंक

- 1—कार्यालय उपकरण—श्रम, बचत उपकरण। 30
- 2—विवरण के माध्यम—थोक व्यापार, फुटकर व्यापार, श्रृंखला दुकानें, विभागीय भण्डार, डाक द्वारा व्यापार। 30

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

(गणित तथा सांख्यिकी)

अधिकतम—60 अंक

न्यूनतम—20 अंक

- 1—दर अनुपात तथा प्रतिशत एवं व्यासायिक समस्याओं। 20
- 2—साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज से परिकलन तथा बैंकों एवं अन्य द्वारा ब्याज ज्ञात करने के लिये प्रयोग की गयी तालिका रेडीरेकनर का प्रयोग। 20
- 3—केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप—समान्तर माध्य (औसत), माध्यिका, बहुलक, ज्यामितीय माध्य, हरात्मक माध्य। 20

पंचम प्रश्न-पत्र

(अंकेक्षण)

अधिकतम—60 अंक

- 1—मूल्यांकन एवं सत्यापन—अर्थ, उद्देश्य एवं चल-अचल सम्पत्तियों का सत्यापन एवं मूल्यांकन, दायित्वों का सत्यापन। 20
- 2—अंकेक्षण—गुण एवं योग्यतायें, नियुक्ति कर्तव्य, अधिकार एवं दायित्व। 20
- 4—अंकेक्षण प्रतिवेदन—स्वच्छ एवं मर्यादित प्रतिवेदन। 20